मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 226 ■ बुधवार 3 दिसंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
सामंथा रुथप्रभू ने की डायरेक्टर राज से शादी

बदलापुर चुनाव में EVM पड़ी ठप

- 2 घंटे तक रुका रहा मतदान
- खामकर विद्यालय पोलिंग स्टेशन पर अफरा-तफरी
- बिजली गुल, मशीन में खराबी से दिक्कत

बदलापुर. बदलापुर पश्चिम के खामकर विद्यालय पोलिंग स्टेशन पर मंगलवार (तारीख 2) सुबह EVM मशीन में गंभीर खराबी के कारण वोटिंग प्रक्रिया दो घंटे तक रुकी रही। करीब 900 वोटरों वाले इस सेंटर पर सुबह करीब 11 बजे मशीन नंबर दो ने अचानक काम करना बंद कर दिया। बिजली सप्लाई कई बार बाधित हुई, जिससे वोटरों की परेशानी और बढ़ गई। बताया गया कि कुछ वोटरों को पैनल वोटिंग का तरीका पूरी तरह समझ नहीं आया और उन्होंने गलत बटन दबा दिए, जिससे मशीनें बंद हो गईं। इंजीनियरों की कोशिशें बेकार जाने के बाद, चुनाव अधिकारियों ने तुरंत दूसरी मशीन उपलब्ध कराई; हालांकि, इस पूरे प्रोसेस में दो से ढाई घंटे लग गए, जिससे लाइन में खड़े वोटरों में गुस्सा फैल गया।

मशीन करीब 1:30 बजे फिर से चालू हुई, लेकिन तब तक सेंटर के बाहर लंबी-लंबी लाइनें लग चुकी थीं। बुज़ुर्गों, महिलाओं और दिव्यांग वोटरों को बहुत परेशानी हुई। बैठने की कोई व्यवस्था नहीं थी, पानी की कोई सुविधा नहीं थी और बार-बार बिजली जाने से कई लोगों को परेशानी हुई। कुछ वोटरों को खड़े-खड़े चक्कर आने लगे। लोकतंत्र के अपने मौलिक अधिकार का इस्तेमाल करने आए नागरिकों का समय बर्बाद हुआ, और वोटर सवाल उठा रहे हैं कि मतदान के दिन मैनेजमेंट इतना खराब क्यों था। सेंटर के बाहर खड़े वोटरों ने इस स्थिति पर कड़ी नाराज़गी जताई।

कुलगांव-बदलापुर में 60% मतदान

- शिवेसना-भाजपा के बीच सीधा मुकाबला
- नगराध्यक्ष व 49 नगरसेवकों की किस्मत EVM में बंद

बदलापुर. कुलगांव बदलापुर नगर परिषद में 60 फीसदी मतदान की खबर है. साढ़े तीन बजे तक 47 प्रतिशत हुआ था. मतदान सुबह 7.30 बजे शुरू हुआ. मतदाताओं में वोट करने के लिए जोश देखा गया. सुबह से ही मतदान केंद्र के बाहर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गई. बदलापुर नपा के चुनाव एक दशक बाद हो रहे हैं. चुनाव के नतीजे 21 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे.

आचार संहिता पथक ने एक व्यक्ति के पास से 2 लाख रुपए पकड़े हैं. उसके खिलाफ पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज किया गया.

कुलगांव बदलापुर नपा में कुल 2 लाख 25 हजार 355 वोटर हैं. एक लाख 17 हजार 653 पुरुष एवं एक लाख 7 हजार 686 महिला वोटर हैं. 10 हजार 543 रिपीट वोटर हैं. चुनाव प्रक्रिया के लिए 1495 अधिकारी और कर्मचारी नियुक्त किए गए थे. नपा क्षेत्र में कुल 241 पोलिंग स्टेशन, 306 ईवीएम मशीनें रखी गई हैं. मतदाताओं ने तीन वोट किए. एक नगराध्यक्ष के लिए और 2 वोट प्रभाग के उम्मीदवार के लिए. यहां नगराध्यक्ष के लिए सीधा मुकाबला शिवसेना की वीना वामन म्हात्रे एवं भाजपा की घोरपडे के बीच है. कौन जीतेगा कहा नहीं जा सकता.

पुलिस का तगड़ा रहा बंदोबस्त

32 संवेदनशील स्थानों पर पुलिस का तगड़ा बंदोबस्त रहा. कोई अनुचित घटना ना हो, इसके लिए 600 पुलिसकर्मी, 2 डीसीपी, 4 एसीबी, 45 पुलिस निरीक्षक, 60 उप निरीक्षक, 250 होमगार्ड, 21 पेट्रोल मोबाइल कर्मी तैनात किए गए थे.

कुलगांव-बदलापुर में वोटिंग को लेकर उत्साह!

- तीन बार वोटिंग होने से प्रोसेस धीमा हुआ

बदलापुर. मंगलवार सुबह 7:30 बजे जैसे ही म्युनिसिपल चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हुई, शहर के सभी वार्ड के पोलिंग स्टेशनों पर वोटरों की भारी भीड़ जमा हो गई। नगराध्यक्ष पद समेत कुल 24 वार्ड के लिए चुनाव हुआ। शहर के ज़्यादातर सेंटरों पर वोटिंग शुरू होने के कुछ ही मिनटों में लंबी-लंबी लाइनें लग गईं। कई जगहों पर तो लोगों को एक घंटे तक इंतज़ार करना पड़ा। लोगों का कहना था कि वोटिंग प्रोसेस में ज़्यादा समय लगा, क्योंकि उन्हें नगराध्यक्ष और दो कॉर्पोरेटर के लिए तीन बार वोट करना पड़ा।

शहर के अलग-अलग वार्ड में वोटर्स सुबह 7:30 बजे से ही वोटर्स की लाइनें लग गई थीं। भीड़ का दबाव खासकर छोटे एरिया के सेंटर्स पर ज़्यादा महसूस किया गया और लाइनें सड़कों और बस्तियों तक फैल गईं, जिससे ट्रैफिक में दिक्कत हुई। यह भी बताया गया कि कुछ सेंटर्स पर वोटर लिस्ट चेक करने में लगने वाला समय बढ़ रहा था। शाम 5 बजे तक अलग-अलग पोलिंग स्टेशनों पर लाइनें लगी रहीं। जबकि दोपहर बाद कुछ वार्ड में पोलिंग स्टेशन खाली हो गए। सीनियर सिटिजन, युवा, महिलाएं और कुछ मरीज़ों ने भी अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल किया।

इस बीच, कई सेंटर्स पर 100 मीटर के रेस्ट्रिक्टेड एरिया में भी अलग-अलग पार्टियों के कैंडिडेट और एक्टिविस्ट वोटर्स से खड़े होकर बातचीत करते दिखे। इस बीच, पोलिंग स्टेशनों तक पहुंचने के लिए अलग-अलग पॉलिटिकल पार्टियों ने रिक्शा, टू-व्हीलर और दूसरी गाड़ियों का फ्री ट्रांसपोर्ट अरेंजमेंट किया था। यह सुविधा खासकर बुज़ुर्ग और दिव्यांग वोटर्स के लिए बहुत मददगार रही। इसके अलावा, कुछ सेंटर्स के बाहर चाय, पानी और स्नैक्स का भी इंतज़ाम किया गया था। जैसे-जैसे लाइनें बढ़ रही थीं, पुलिस ने कुछ सेंटर्स पर सिक्योरिटी बढ़ा दी और पोलिंग स्टेशनों के आसपास भीड़ को मैनेज किया।

तीन मतदान करने में समय लगा

इस बार शहरवासियों को अपने वार्ड में नगराध्यक्ष कैंडिडेट और नगरसेवक पद के दो कैंडिडेट के लिए A और B के तरीके से वोट देना था. इसके लिए बटन को तीन बार दबाना पड़ा. यह प्रोसेस सभी वोटर्स के लिए नया रहा. इस वजह से शहरवासी इस प्रोसेस को समझकर वोट दे रहे थे. इसमें ज़्यादा समय लग रहा था.

अंबरनाथ में सभी चुनाव आयोग को कोस रहे

- 260 उम्मीदवारों के करोड़ों रुपए गए पानी में
- सभी उम्मीदवारों को सांप सूंघ गया

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. चुनाव आयोग ने मनमाने तरीके से अंबरनाथ नपा के चुनाव 2 दिसंबर को स्थगित करके 20 दिसंबर को कर दिए हैं. अब 4 दिसंबर को चुनाव प्रक्रिया घोषित की जाएगी, जिसकी सबको प्रतीक्षा है. 5 दिसंबर से फिर से शहर में प्रचार दोबारा शुरू होने की संभावना है. इस दरम्यान ये अफवाह शहर में तेजी से फैली है कि 10 दिसंबर को चुनाव हो सकते हैं. चुनाव आयोग पर अब किसी को भरोसा नहीं रह गया है. नपा चुनाव में खड़े निर्दलीय, भाजपा, शिवसेना, उबाठा, राकांपा के 260 उम्मीदवारों ने 30 नवंबर तक करोड़ों रुपए खर्च कर दिए हैं, जो कि पानी में जाते दिखाई दे रहे हैं. कई उम्मीदवारों ने मतदाताओं को चुनाव के दिन नाम, चुनाव प्रभाग, सूची क्र. बताने के लिए छोटे बूथ भी बना लिए थे. लगभग सभी उम्मीदवारों के कार्यालयों पर ताला लटकता दिखाई दे रहा है. आटो रिक्शा पर स्पीकर लगाकर किया जा रहा प्रचार अब एकदम से रुक गया है.

उम्मीदवारों द्वारा रोजाना निकाली जा रही रैलियां अब नहीं निकल रही हैं. कई उम्मीदवारों ने बैंक से लोन निकाल कर चुनाव लड़ रहे थे. वह सब कर्जदार हो गए हैं. अब 18 दिन प्रचार के लिए रकम लाएं तो कहां से लाएं. उम्मीदवार एक-दूसरे को अपना दुखड़ा सुना रहे हैं. पत्रकारों को दिए जा रहे साक्षात्कार, खबरें भी रुक गई हैं. सभी चुनाव आयोग को फटकार रहे हैं.

संजय गायकवाड़ विधायक ने तो चुनाव आयोग को नालायक तक कह दिया है. सभी कह रहे हैं कि चुनाव आयोग को इतना बड़ा कदम उठाने से पहले 10 बार सोचना चाहिए था. वृद्ध मतदाता कह रहे हैं कि उन्होंने अपने जीवन में ये नहीं देखा और ना ही सुना कि चुनाव आयोग ने मतदान की तारीख देकर मतदान को आगे कर दिया हो.

वोटर लिस्ट में सुधार नहीं हुआ तो चुनाव रद्द कराने कोर्ट जाएंगे -गंगोत्री

- वोटिंग लिस्ट में धांधली के खिलाफ राकांपा ने की मनपा आयुक्त से शिकायत
- वार्ड बाउंड्री में भी भारी गड़बड़ी- गंगोत्री

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका के चुनाव से पूर्व ही वोटिंग लिस्ट में गड़बड़ी की करीब हर वार्ड से शिकायत मिल रही है। वार्ड रचना नियमानुसार न होने और वोटिंग लिस्ट में भी धांधली के चलते राकांपा प्रदेश महासचिव सोनिया धामी व राकांपा जिलाध्यक्ष भारत गंगोत्री ने उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले से मिलकर शिकायत की है और चुनाव रद्द करने की भी मांग की है।

राकांपा जिलाध्यक्ष भारत गंगोत्री ने कहा है कि मतदार यादी जो प्रसिद्ध की गई है उसमें फोटो नहीं डाले गए हैं और कई दूसरे वार्डों के मतदाताओं का नाम डाला जा रहा है। कई जगह नामों में गलती है तो कई जगहों पर पत्ते में गलतियां हैं। ऐसा समझा जा रहा है कि कुछ विशेष नेताओं व विशेष पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए पैनल के मतदाताओं में फेरबदल और बाउंड्री बनाई गई है। इस कार्य में कुछ भ्रष्ट अधिकारी व कर्मचारियों का भी समावेश है जांच करके उनपर गुन्हा दाखिल होना चाहिए। अगर इसी गड़बड़ी के साथ चुनाव होंगे तो यह लोकतंत्र की होगी और ऐसे में मनपा चुनाव कराना उससे भी बड़ी गलती होगी। ऐसे में गंगोत्री ने मांग की है कि मतदाता सूची में सुधार की जरूरत है और बाउंड्री भी जो अनाप शनाप बनाई गई है उसे भी दुरुस्त करने की आवश्यकता है। ऐसे में चुनाव रद्द कराना ही बेहतर होगा। जो हाल अंबरनाथ का हुआ है कहीं वो हाल उल्हासनगर का चुनाव के दौरान न हो इसलिए चुनाव से पूर्व उसकी प्रक्रिया इन सभी गड़बड़ियों को दूर करके होनी चाहिए। वहीं खबर मिली है कि मतदाता सूची में गड़बड़ी के विरुद्ध कई लोग न्यायालय की शरण में गए हैं।

शहाड़ इलाके में खत्म होगा जलसंकट

- नई पाइपलाइन से हज़ारों लोगों की पानी की समस्या हल होगी

उल्हासनगर. शहाड़ गांव इलाके में कई दशकों से चली आ रही पानी की कमी आखिरकार खत्म होने वाली है। केंद्र सरकार के फंड से और कोणार्क कंपनी के ज़रिए शुरू हुई नई पाइपलाइन का काम अब रेगुलर पानी की सप्लाई में बड़ी राहत देगा। तकनीकी दिक्कतों की वजह से महीनों से रुका हुआ काम आखिरकार युवा सेना के शहर अध्यक्ष बाला श्रीखंडे और लोकल लीडरशिप की लगातार फॉलो-अप के बाद शुरू हो गया है और काम का ऑफिशियली उद्घाटन हो गया है। उम्मीद है कि इस काम से लोगों की पानी की समस्या हमेशा के लिए हल हो जाएगी।

केंद्र सरकार के फंड से उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सीमा में चल रही इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम के तहत शहाड़ गांव इलाके में नई पाइपलाइन बिछाने का काम ऑफिशियली शुरू हो गया है। शहर में बढ़ती पानी की कमी की समस्या को कम करने के लिए लंबे समय से इंतज़ार किया जा रहा पानी की पाइपलाइन प्रोजेक्ट एक जानी-मानी कंपनी कोणार्क द्वारा पूरा किया जा रहा है। उल्हासनगर वार्ड नंबर 1 के शहाड गावठान, कोलीवाड़ा, बौद्धवाड़ा और कातकरवाड़ी इलाकों में पिछले कुछ महीनों से पानी की नई पाइप बिछाने का शुरुआती काम चल रहा था।

लेकिन, छत्रपति शिवाजी महाराज उद्यान-बिड़ला मंदिर इलाके में मेन लाइन कनेक्शन में तकनीकी रुकावटों की वजह से मुख्य काम में देरी हुई। इस वजह से पानी की सप्लाई में रुकावटें आ रही थीं। यह गंभीर मामला शिंदे ग्रुप के युवा सेना शहर अध्यक्ष बाला श्रीखंडे और लोकल ब्रांच हेड केशव ओवालेकर के ध्यान में आने के बाद, उन्होंने पानी सप्लाई डिपार्टमेंट के अधिकारियों और सेंचुरी रेयॉन कंपनी के अधिकारियों से गहराई से बातचीत करके रुकावट को दूर करने के लिए लगातार फॉलो-अप किया।

पाइपलाइन के मुख्य काम में तेज़ी

आखिरकार, प्रशासन और संबंधित विभागों के तालमेल से छत्रपति शिवाजी महाराज उद्यान में पाइपलाइन का मुख्य काम शुरू हो गया। मौजूद अधिकारियों ने बताया कि इस काम से संबंधित इलाके के लोगों की लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या का समाधान हो जाएगा और जल्द ही रेगुलर और स्थिर पानी की सप्लाई बहाल हो जाएगी। इससे नागरिकों में राहत का माहौल है। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मिलकर काम शुरू किया और समाज सेवा और समाज सेवा का संदेश दिया। नागरिकों ने भी इस योजना के लिए बधाई दी और प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और युवा नेतृत्व को धन्यवाद दिया।

कचरे के ट्रक ने दोपहिया वाहन को मारी टक्कर

- गाड़ी के मेंटेनेंस में हुई गलतियों पर सवाल

उल्हासनगर. कैंप 3 इलाके में महापलिका का एक कचरा ट्रक लापरवाही से आया और टू-व्हीलर को टक्कर मार दी। खुशकिस्मती से कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन गाड़ियां बुरी तरह डैमेज हो गईं।

यह हादसा शाम को उल्हासनगर के OT सेक्शन चौक पर हुआ। उल्हासनगर मनपा का कचरा ट्रक कचरा लोड करके लौट रहा था, तो गाड़ी अचानक कंट्रोल खो बैठी। देखते ही देखते, गाड़ी सड़क किनारे खड़ी टू-व्हीलर से टकरा गई। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि कुछ टू-व्हीलर सड़क पर घिसट गए, जबकि कुछ सीधे नीचे गिर गए।

खुशकिस्मती से, उस समय गाड़ियों के पास कोई नहीं खड़ा था, इसलिए जान-माल का नुकसान टल गया। हालांकि, जैसे ही इलाके में बहुत शोर हुआ, लोग सदमे में मौके पर पहुंचे। लोगों को सड़क पर चलने से पहले कचरा ट्रकों की रेगुलर टेक्निकल जांच करवानी चाहिए। और नगर निगम से पुरानी और खराब गाड़ियों को तुरंत बदलने की मांग की गई है।

उल्हासनगर के '100 डेज़' डांस बार में आग!

उल्हासनगर. मंगलवार सुबह उल्हासनगर कैंप 4 के श्रीराम चौक इलाके में विवादित '100 डेज़' डांस बार में अचानक भीषण आग लग गई। इससे पूरा इलाका देखते ही देखते धुएं के गुबार से ढक गया। इससे लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सुबह आग लगने की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और युद्ध स्तर पर आग पर काबू पाने का काम शुरू कर दिया। दूसरी ओर, पुलिस ने भीड़ को कंट्रोल करने और ट्रैफिक को रेगुलेट करने के लिए मोर्चा संभाला। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, इस घटना में किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ, जो राहत की बात है। हालांकि, भीषण आग से डांस बार के अंदर का हिस्सा काफी नुकसान पहुंचा है। ऐसा लग रहा है कि अंदर का फर्नीचर, बिजली की फिटिंग, साउंड सिस्टम और महंगा इंटीरियर काफी हद तक जल गया है। नुकसान का शुरुआती अंदाज़ा लगाने का काम चल रहा है.

तनाव का माहौल

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचा। इलाके में बड़ी संख्या में लोगों के जमा होने से ट्रैफिक सिस्टम पर दबाव पड़ा। स्थिति को कंट्रोल करने के लिए और पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया। पुलिस ने इलाके को सील कर दिया और लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की। हालांकि आग लगने का सही कारण अभी साफ नहीं है, लेकिन शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई जा रही है। फायर ब्रिगेड और पुलिस द्वारा पंचनामा और साइंटिफिक जांच की जा रही है।

जिम में युवती के यौन शोषण का आरोप

- फरार जिम मालिक डेढ़ माह बाद गिरफ्तार

कल्याण. फिटनेस के लिए जिम में आने वाली युवती से जिम मालिक ने दोस्ती की। उसे शादी का लालच दिया और फिर उसका यौन शोषण किया। जिम मालिक ने उसका मोबाइल फोन हैक करने और अश्लील तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैलाने की धमकी दी थी। जिसके बाद युवती ने खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी. पुलिस ने डेढ़ महीने बाद फरार जिम मालिक को गिरफ्तार कर लिया है।

इस जिम मालिक का नाम विनीत गायकर (34) है। वह कल्याण वेस्ट में गायकर हाउस में रहता है। चर्चा है कि इस आदमी ने अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस पर राजनीतिक दबाव बनाया। पुलिस ने विनीत को गिरफ्तार कर लिया। उसे कल्याण डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे पांच दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

खड़कपाड़ा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 29 साल की एक लड़की सुबह और शाम विनीत गायकर के जिम में एक्सरसाइज करने जाती थी। इसी वजह से उसकी जान-पहचान जिम मालिक विनीत से हुई। विनीत ने लड़की से दोस्ती की. विनीत ने पीड़िता को झांसा दिया कि वह उससे शादी करेगा। पीड़िता जिम मालिक से सावधान थी।

इसी बीच, जिम मालिक विनीत ने टेक्निकली पीड़िता के मोबाइल फोन से छेड़छाड़ की और उन दोनों की अश्लील फुटेज रिकॉर्ड कर ली। उसने पीड़िता को धमकी दी कि वह इस अश्लील फुटेज को सोशल मीडिया पर फैला देगा और उसे बदनाम कर देगा। धमकी देकर जिम मालिक ने पीड़िता का यौन उत्पीड़न करना शुरू कर दिया। जब यह स्थिति बर्दाश्त से बाहर हो गई, तो पीड़िता ने आखिरकार डेढ़ महीने पहले खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में जिम मालिक विनीत गायकर के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई। विनीत को जैसे ही पता चला कि उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, वह फरार हो गया था।

खड़कपाड़ा पुलिस उसके पीछे लगी हुई थी। डेढ़ महीने की तलाश के बाद, सोमवार को विनीत के कल्याण पश्चिम में फड़के मैदान इलाके में घूमने की जानकारी मिलने के बाद, पुलिस ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अपराध की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि क्या इस व्यक्ति ने और भी ऐसी हरकतें की हैं।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

कई प्रजातियों का विलुप्त होना

भारत में कई जीव-जंतुओं की प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गई हैं। इस बीच पूर्वोत्तर में हाल ही में उभयचर जीवों की तेरह नई प्रजातियों के अस्तित्व की खोज वास्तव में राहत भरी है। मानव समाज विविध एवं गहन पारिस्थितिकी तंत्र पर निर्भर है और जब जीवों की प्रजातियां कम या खत्म होने लगती हैं, तो इस तंत्र की कड़ियां भी टूटने लगती हैं।

वर्तमान में भले ही इसका प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से नजर न आए, लेकिन भविष्य में इसका नतीजा निश्चित रूप से भयावह रूप में सामने आएगा। जिन उभयचरों की नई प्रजातियां मिली हैं, उनमें से छह अरुणाचल प्रदेश, तीन मेघालय और एक-एक असम, मिजोरम, नगालैंड तथा मणिपुर में पाई गई हैं।

जाहिर है कि ये प्रजातियां कभी अच्छी-खासी तादाद में रही होंगी, लेकिन पर्यावरण में बदलाव, जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों से उपजी स्थितियों के कारण इनकी संख्या इतनी कम हो गई कि ये वर्षों तक इंसानी नजर से भी ओझल रहीं।

दरअसल, पशु-पक्षियों और अन्य जीवों की कई प्रजातियों का विलुप्त होना पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश का सूचक है और इस मसले को हर स्तर पर गंभीरता से लेने की जरूरत है। देश की जैव विविधता का नियमित तौर पर दस्तावेजीकरण होना चाहिए, ताकि विलुप्त होने की कगार पर पहुंच चुकी प्रजातियों को पहचान कर उनके संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए जा सकें।

रीढ़ वाले जीवों की 680 प्रजातियां विलुप्त

इस संकट की गहराई का आकलन संयुक्त राष्ट्र के अंतर-सरकारी विज्ञान-नीति मंच की एक रपट से किया जा सकता है, जिसमें कहा गया है कि दुनिया भर में कशेरुकी यानी रीढ़ वाले जीवों की 680 प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं और करीब दस लाख प्रजातियों पर इसी तरह का खतरा मंडरा रहा है।

भारत में गौरैया चिड़िया भी इसी संकट से गुजर रही है। अलग-अलग रपटों के मुताबिक, चालीस वर्षों में देश में गौरैया की तादाद साठ-पैंसठ फीसद तक कम हो गई है। कुछ वर्ष पहले तक गौरैया के संरक्षण के लिए कई स्तरों पर विशेष मुहिम शुरू हुई थी, लेकिन वक्त के साथ ये प्रयास दम तोड़ते नजर आ रहे हैं।

विचार : मिसाल कायम करने वाला फैसला

उच्चतम न्यायालय ने 25 नवंबर के अपने एक निर्णय में पूर्व सैन्य अधिकारी को कोई राहत नहीं दी। शीर्ष अदालत ने अधिकारी की बर्खास्तगी पर मुहर लगाने वाले दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्य बागची ने अपीलकर्ता सैन्य अधिकारी सैमुअल कमलेसन के कृत्य को घोर अनुशासनहीनता माना और कहा कि वह सेना में रहने लायक नहीं है। अदालत ने कहा कि अधिकारी ने अपनी धार्मिक मान्यता को वरिष्ठ अधिकारी के दायित्व से भी ऊपर रखा जो "स्पष्ट रूप से अनुशासनहीनता का कार्य" था। सैन्य अधिकारी को तैनाती स्थल पर बने मंदिर के गर्भगृह में जाकर रेजीमेंट की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से इन्कार करने पर बर्खास्त किया गया था।

सैन्य अधिकारी ने अपने ईसाई पंथ का हवाला देते हुए मंदिर की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से मना कर दिया था, जिसे अनुशासनहीनता माना गया। कमलेसन को 2021 में बर्खास्त किया गया था। उन्होंने 2017 में कमीशन प्राप्त किया था। वह तीन कैवेलरी की एक सिख स्क्वाड्रन में तैनात थे। कमलेसन ने दावा किया कि उनका यह विरोध न केवल उनके ईसाई विश्वास के प्रति सम्मान का प्रतीक था, बल्कि अन्य सैनिकों की धार्मिक भावनाओं का भी सम्मान था, ताकि उनके अनुष्ठानों में भाग लेने से किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे। उन्होंने यह भी तर्क किया कि उनके सैनिकों को इस पर कोई आपत्ति नहीं थी और न ही इससे उनके साथ उनके मजबूत

संबंधों पर कोई असर पड़ा। हालांकि अदालत में उनकी ये दलीलें कहीं नहीं टिक पाईं।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि कमलेसन का दृष्टिकोण रेजीमेंट का माहौल खराब करने वाला था। इससे यूनिट की एकता और सैनिकों के मनोबल पर भी असर पड़ सकता था। इसलिए उनकी बर्खास्तगी बिल्कुल तार्किक है। उच्चतम न्यायालय ने भी कमलेसन को आड़े हाथों लिया कि, 'वह किस प्रकार का संदेश भेज रहे हैं? एक सेना अधिकारी द्वारा गंभीर अनुशासनहीनता। वह एक उत्कृष्ट अधिकारी हो सकते हैं, लेकिन भारतीय सेना के लिए अयोग्य हैं।' यह विस्मृत न किया जाए कि भारतीय सेना अपने मूल्यों, नैतिकता और परंपराओं द्वारा परिभाषित होती है। सेना भले ही विविधता से भरा एक विशाल संगठन हो, लेकिन यूनिट ही उसका वह मूलाधार है, जिसे उसका आत्मा कहा जाता है। कुछ यूनिट किसी वर्ग या समुदाय पर आधारित होती हैं। जैसे सिख, जाट, राजपूत, डोगरा और गोरखा रेजीमेंट। ये अपने सैनिकों के पूजा स्थलों के साथ ही उनकी मान्यताओं का भी ध्यान रखती हैं। आज आर्मर्ड कोर में निश्चित वर्ग संरचना वाली रेजीमेंट और मिश्रित वर्ग संरचना वाली रेजीमेंट का एक संतुलित मिश्रण भी देखने को मिलता है। इसके जरिये एक दूसरे से सीखने का जो लाभ मिलता है, वह कार्य संचालन में भी उपयोगी साबित होता है।

सशस्त्र बलों में धर्म जुड़ाव की एक कड़ी के रूप में होता है। देखा जाए तो सभी सैन्य इकाइयों का मूल कार्य सामरिक तत्परता और शांति काल में उसके लिए तैयारी एवं प्रशिक्षण है। युद्ध के दौरान स्थितियां तनावपूर्ण होती हैं। ऐसे में सैनिकों की धार्मिक आस्था और विश्वास उन्हें प्रतिकूल परिस्थितियों में दबाव से उबरने की शक्ति प्रदान करता है। यूनिट के युद्ध-घोष (वार क्राई) में भी ये भावनाएं अभिव्यक्त होती हैं। ऐसा विश्वास बंधुत्व की भावना को भी बढ़ाता है। सेवा चयन बोर्ड यानी एसएसबी किसी व्यक्ति को बहुत जांच-परखने के बाद सैन्य अधिकारी के रूप में प्रशिक्षित किए जाने के योग्य पाता है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि कमलेसन के मामले में उनका धार्मिक दुराग्रह अनदेखा ही रह गया।

वैसे तो सेना में सभी अधिकारियों को निजी तौर पर अपनी आस्था और धर्म के पालन की स्वतंत्रता है, लेकिन सार्वजनिक रूप से वे उनके धर्म को अपनाते हैं, जिनकी कमान उनके हाथों में होती है। यही परंपरा अधिकारियों को निजी आस्था से इतर सैनिकों के विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने और उनमें शामिल होने को उन्मुख करती है। मेरी अपनी रेजीमेंट में जाट, मुस्लिम और राजपूत की वर्गीय संरचना थी और सभी अधिकारी और जेसीओ सभी धार्मिक समारोहों में भाग लेते थे। वे मंदिर और मस्जिद दोनों से जुड़े आयोजनों में उपस्थित होते थे। धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को ऐसी परिस्थितियों में लागू नहीं किया जा सकता है, क्योंकि व्यक्ति के धार्मिक अधिकार की व्याख्या का यहां उल्लंघन नहीं होता है।

जितना अधिक हम प्रभु के और अपनी आत्मा के नजदीक आते हैं, उतना ही अधिक हम दूसरों की तकलीफों के प्रति करुणा से भर जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

गहन मतदाता पुनरीक्षण को लेकर दबाव

देश के बारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में गहन मतदाता पुनरीक्षण यानी एसआइआर को लेकर उठा विवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था की सेहत के लिए ठीक नहीं माना जा रहा है। मतदाता सूचियों में संशोधन पहले भी होता रहा है, लेकिन एसआइआर की प्रक्रिया पर जो सवाल उठाए जा रहे हैं, उससे अब तीन मोर्चों पर संघर्ष शुरू होता नजर आ रहा है। पहला मानवीय स्तर पर, दूसरा कानूनी और तीसरा राजनीतिक नफा-नुकसान के तराजू पर भी इस प्रक्रिया को तौला जा रहा है।

सवाल है कि इस विवाद का हल कैसे होगा? इसको लेकर अदालत में भी मामले दायर किए गए हैं, लेकिन जाहिर है कि अदालती प्रक्रिया लंबी होती है और इसमें तत्काल फैसला आने की उम्मीद नहीं की जा सकती। बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम का अत्यधिक दबाव होने और कुछ के आत्महत्या कर लेने की खबरों के बीच निर्वाचन आयोग ने एसआइआर की प्रक्रिया की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाकर समस्या के निराकरण की दिशा में कदम बढ़ाया है, लेकिन क्या सात दिन का यह समय पर्याप्त है? क्या इससे जमीनी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों पर वास्तव में दबाव कम हो पाएगा?

एसआइआर को लेकर उठे विवाद में एक अफसोसजनक पहलू यह है कि

बूथ स्तरीय अधिकारी निर्धारित समय सीमा में काम के दबाव को सहन नहीं कर पा रहे हैं। गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश से ऐसे अधिकारियों की मौतों और इस्तीफों की कई खबरें आ चुकी हैं। वहीं प्रशासन की सख्ती से कुछ राज्यों में इन अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी तक दर्ज की गई है और कुछ को निलंबित कर दिया गया है। दबाव की अति की इस स्थिति में कर्तव्य और सख्ती के बीच की रेखा धुंधली नजर आने लगी है।

निर्वाचन आयोग ने पिछले दिनों प्रशासनिक अधिकारियों से वस्तुस्थिति पर रपट मांगी थी, जिसके बाद रविवार को आयोग ने एसआइआर की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया। आयोग की ओर से कहा गया कि एक सप्ताह का अतिरिक्त समय इसलिए दिया गया, ताकि बूथ स्तरीय अधिकारी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मृत या दूसरी जगह चले गए मतदाताओं का ब्योरा राजनीतिक दलों के साथ साझा कर सकें। इससे यही लगता है कि आयोग ने यह निर्णय प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों पर काम के दबाव की वजह से नहीं लिया है।

एसआइआर को लेकर राजनीतिक मोर्चा भी खुल गया है। केंद्र में सत्तारूढ़ राजग का कहना है कि मतदाता सूची का सत्यापन जरूरी है, ताकि अवैध मतदाताओं का पता चल सके। वहीं विपक्षी दलों का तर्क है कि इस पूरी प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिए बढ़ाने के फैसले से इस बात की पुष्टि होती है कि इसे बिना सोचे-समझे जल्दबाजी में शुरू किया गया है। इसके लिए कम कम से एक माह का समय और दिया जाना चाहिए। सवाल है कि इस महत्त्वपूर्ण काम को पूरा करने का जिम्मा जिन बूथ स्तरीय अधिकारियों को सौंपा गया है, अगर वही दबाव और तनाव का शिकार होकर जीवन पर जोखिम के दौर से गुजरने लगें, तो इसकी जवाबदेही किस पर है।

कुछ नेताओं ने दबाव की वजह से हो रही ऐसी घटनाओं पर सवाल उठाया है, लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया। निर्वाचन आयोग अगर एसआइआर के व्यापक अभियान को सहजता से पूरा करना चाहता है, तो इसके लिए उसे इस काम में लगे लोगों की समस्याओं पर भी गौर करना चाहिए।

क्या आप जानते हैं दुनिया का सबसे खारा समुद्र कौन सा है?

जरा हट के

कहा जाता है कि हमारी पृथ्वी 71 प्रतिशत पानी से घिरी हुई है. इस पानी का अधिकांश हिस्सा महासागर प्रदान करते हैं. हालांकि, क्या आप दुनिया के सबसे अधिक नमकीन समुद्र के बारे में जानते हैं? पृथ्वी पर सबसे अधिक नमकीन माने जाने वाले समुद्र के बारे में इस पोस्ट में विस्तार से जानते हैं.

मृत सागर (Dead Sea) को दुनिया का सबसे अधिक नमकीन समुद्र माना जाता है. इसमें लगभग 34% नमक सांद्रता अधिक होने के कारण ही इसे यह नाम मिला है. आंकड़े बताते हैं कि यह सामान्य समुद्री जल से लगभग दस गुना अधिक नमकीन है. मृत सागर की कोई निकासी न होने के कारण बहता पानी कभी बाहर नहीं निकलता. इससे हजारों वर्षों से खनिजों का निक्षेपण होता आ रहा है.

मृत सागर पूर्व में जॉर्डन और पश्चिम में इजराइल तथा फिलिस्तीन के बीच स्थित है.

यह समुद्र तल से लगभग 430 मीटर नीचे है. लाखों वर्ष पहले टेक्टॉनिक परिवर्तनों से बने इस सागर का एक लंबा इतिहास है. यह कई प्राचीन ग्रंथों और सभ्यताओं में दर्ज है.

साथ ही इसका स्थान, ऐतिहासिक महत्व और अनूठी भौगोलिक स्थिति इसे एक प्राकृतिक आश्चर्य और एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती हैं. मृत सागर उच्च तापमान वाले मरुस्थलीय क्षेत्र में स्थित है. इसके परिणामस्वरूप पूरे वर्ष भारी वाष्पीकरण होता है. तदनुसार, जब पानी वाष्पित होता है, तो सोडियम क्लोराइड, मैग्नीशियम, कैल्शियम और पोटेशियम जैसे खनिज पानी में रह जाते हैं.

यह धीरे-धीरे अपनी लवणता बढ़ाता जाता है. जॉर्डन नदी केवल एक निश्चित मात्रा में ताजा पानी ही आपूर्ति करती है. इसलिए समय के साथ नमक जमा होता जाता है. मृत सागर की उच्च नमक सामग्री अधिकांश समुद्री जीवों के लिए इसे रहने योग्य नहीं बनाती है. मछली, पौधे और शैवाल ऐसी कठोर परिस्थितियों में जीवित नहीं रह सकते.

रवा-बाजरा इडली

खाना-खजाना

सामग्री :

- 1 कप रवा (सूजी)
- ½ कप बाजरा का आटा
- 1 कप दही (थोड़ा खट्टा)
- ½ कप पानी
- 1 छोटा चम्मच राई
- ½ छोटा चम्मच हल्दी
- 6–7 कढ़ी पत्ते
- 1 छोटी हरी मिर्च
- थोड़ा सा कद्दूकस किया हुआ अदरक
- स्वाद अनुसार नमक
- ½ छोटा चम्मच इनो/बेकिंग सोडा
- 1 छोटा चम्मच तेल

बनाने की विधि :

एक बाउल में रवा, बाजरा आटा, दही और थोड़ा सा पानी मिलाकर एक स्मूथ घोल बना लें। इसे 10–15 मिनट के लिए सेट होने दें। इससे इडली मुलायम बनेगी। एक छोटे पैन में एक चम्मच तेल गर्म करें। इसमें राई, कढ़ी पत्ते, अदरक और हरी मिर्च डालकर थोड़ा सा भूनें। यह तड़का बैटर में मिलाएं। इससे इडली में गजब की खुशबू और स्वाद आ जाता है।

बैटर अगर ज्यादा गाढ़ा लगे तो थोड़ा पानी और डालें। यह न ज़्यादा

पतला होना चाहिए, न बहुत गाढ़ा।

इडली स्टैंड तैयार कर लें। बैटर में इनो/बेकिंग सोडा डालें और तुरंत हल्का सा मिक्स करें। अब झाग उठे हुए बैटर को सांचों में डालें।

इडली कुकर या स्टीमर में 10–12 मिनट तक मध्यम आंच पर पकाएं। टूथपिक डालकर चेक करें- अगर साफ बाहर आए तो इडली तैयार है। रवा-बाजरा इडली को गर्मागर्म नारियल चटनी, पुदीना चटनी या सांभर के साथ सर्व करें। चाहें तो ऊपर से थोड़ा-सा पोढ़ी मसाला भी छिड़क सकते हैं। यह कम तेल में भी इतना स्वाद देती है कि आपको जरा भी 'डाइट फूड' जैसा एहसास नहीं होगा।

अगर आप वजन घटा रहे हैं, तो इडली के साथ सोडा वाली ड्रिंक, मीठी चाय या बहुत ज्यादा तेल वाली चटनी से बचें। साधारण चटनी और स्टीम्ड इडली एक परफेक्ट कॉम्बो है।

प्रदूषण में आयुर्वेद को बनाएं सुरक्षा कवच

वायु प्रदूषण के प्रभाव से बचने के लिए लोग घर के अंदर कीमती एयर प्यूरिफायर और इंडोर प्लांट्स लगा रहे हैं, लेकिन ये सारे केवल ऊपरी उपाय हैं, जिनका प्रभाव थोड़े समय के लिए ही रहता है। आयुर्वेद के पास ऐसे स्थायी समाधान हैं, जो आपके फेफड़ों और दिल को स्वस्थ रख सकते हैं। वायु से हमारा जीवन है। इससे शरीर को पोषण मिलता है, लेकिन जब वायु ही विषाक्त होने लगे, तब क्या किया जाए। आइए, श्वसन तंत्र की सुरक्षा के लिए कुछ प्रभावी आयुर्वेदिक उपायों पर नजर डालते हैं।

आयुर्वेदिक शुद्धीकरण (पंचकर्म)

प्रदूषण के कारण शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं, जिन्हें समय-समय पर बाहर निकालना आवश्यक है। इसलिए सर्दियों में पंचकर्म करवाने की सलाह दी जाती है । आयुर्वेद की विषहरण चिकित्सा है पंचकर्म, इससे विषाक्त पदार्थ शरीर से बाहर निकाले जाते हैं।

वमन (उल्टी): श्वसन पथ से अतिरिक्त बलगम और प्रदूषकों को हटाने में मदद करता है।

विरेचन: इस प्रक्रिया से शरीर से विषाक्त पदार्थों को साफ करने और सूजन कम करने में मदद मिलती है।

स्टीम स्वेदना (हर्बल थेरेपी): यह वायुमार्ग और कफ को खोलने में मदद करती है।

बस्ती (एनीमा थेरेपी): यह एक हर्बल एनीमा प्रक्रिया है, जो बृहदांत्र को साफ करके आंतों से विषाक्त पदार्थ बाहर निकालती है।

नास्य चिकित्सा

वायुजनित प्रदूषकों के विरुद्ध एक कवच का काम करती है नास्य चिकित्सा यह एक आयुर्वेदिक चिकित्सा हैं, जिसमें औषधीय तेलों को नाक में डाला जाता है। इससे नासिका की नली साफ करने में मदद मिलती है। आप चाहें तो घी का प्रयोग भी कर सकते हैं। प्रतिदिन सुबह नासिका में तेल की दो-तीन बूंदें डालें। गहरी सांस लें ताकि तेल नाक के मार्ग में समा जाए। इसे डालने के बाद तुरंत बाहर जाने से परहेज करें।

आयुर्वेदिक हर्ब्स

आयुर्वेदिक हर्ब्स स्वस्थ दिनचर्या बनाए रखने में मदद करते हैं। जैसे तुलसी सूजन कम करती है और वायुमार्ग साफ रखती है। मुलेठी गले को आराम देती है। हल्दी में करक्यूमिन होने के कारण यह लाभकारी है। आंवला विटामिन सी से भरपूर है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और श्वसन संक्रमण से बचाव होता है। शहद फेफड़ों से बलगम साफ करने में मदद करता है और खांसी में आराम देता है।

स्वस्थ आहार गर्म पानी से भांप लेने से गला और नाक दोनों साफ होते हैं। धूल और धुएं के कारण गले में खराश होने लगती है। गर्म पानी में नमक डालकर गरारे करने से गला साफ होता है। अदरक, तुलसी, हल्दी और शहद डालकर हर्बल टी बनाएं इसमें एंटीइन्फ्लेमेटरी और एंटीआक्सीडेंट्स के गुण समाए हुए हैं। विटामिन सी से भरपूर फल जैसे संतरा, आंवला, कीवी और अमरूद खाएं। हल्दी वाला दूध रात को लेने से शरीर की सूजन कम होती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

आज का राशिफल

मेष : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे।

वृषभ : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी।

मिथुन : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है।

सिंह : विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी सहयोग करेंगे। घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी।

कन्या : लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। धैर्य रखें। शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दु:खद समाचार मिल सकता है।

तुला : पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शुभ समय। शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे।

वृश्चिक : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। भय रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता का माहौल रहेगा। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

धनु : आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर : व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है। धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुंभ : व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

मीन : आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रमाद न करें। चोट व रोग से परेशानी संभव है।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

घर पर बनाएं तिल-गुड़ की चिक्की

सर्दियों का मौसम आते ही बाजार में तिल और गुड़ से बनी मिठाइयां दिखने लगती हैं। इन सब में, तिल-गुड़ की चिक्की हर किसी की पसंदीदा होती है। यह न सिर्फ खाने में बेहद स्वादिष्ट और कुरकुरी होती है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। कई लोगों को लगता है कि घर पर बाजार जैसी कुरकुरी चिक्की बनाना मुश्किल है, लेकिन आज हम आपके लिए लाए हैं एक ऐसी आसान रेसिपी, जिससे आपकी चिक्की पहली बार में ही एकदम परफेक्ट बनेगी। आइए जानते हैं।

सामग्री तैयार करने का सही तरीका

चिक्की बनाने के लिए आपको मुख्य रूप से सिर्फ दो चीजों की जरूरत है: 200 ग्राम सफेद तिल और 200 ग्राम गुड़ (यानी बराबर मात्रा)। इसके अलावा, आपको 1 छोटा चम्मच घी चाहिए। सबसे पहले तिल को मध्यम आंच पर 4-5 मिनट के लिए तब तक भूनें जब तक कि वे हल्के सुनहरे न हो जाएं और उनसे खुशबू न आने लगे। ध्यान रहे कि तिल जलने नहीं चाहिए। भुनने के बाद इन्हें एक प्लेट में निकाल लें। अब, जिस प्लेट या बोर्ड पर आप चिक्की फैलाएंगे, उसे थोड़ा-सा घी लगाकर चिकना करके तैयार रखें।

गुड़ की चाशनी में है असली राज

चिक्की के कुरकुरेपन का सारा राज़ गुड़ की चाशनी में छिपा होता है। एक भारी तले वाली कड़ाही में 1 चम्मच घी या तेल डालें। जब यह कड़ाही को तुरंत आंच से उतार लें। इसमें भुने हुए तिल डालकर तेजी से मिलाएं। यह काम आपको बहुत जल्दी करना होगा, क्योंकि गुड़ बहुत तेजी से जमना शुरू हो जाता है। मिश्रण को अच्छे से मिलाएं ताकि तिल और गुड़ पूरी तरह से एक हो जाएं। अब, इस गर्म मिश्रण को तुरंत ही पहले से चिकनी की हुई सतह (प्लेट या बोर्ड) पर निकाल लें।

बेलना और काटना

मिश्रण को सतह पर निकालने के बाद, तुरंत ही बेलन की मदद से इसे समान मोटाई में तेज़ी से बेल लें। ध्यान रहे, यह बहुत गर्म होगा, इसलिए सावधानी बरतें। मिश्रण अभी नरम है, इसी समय आपको चाकू या पिज्जा कटर की मदद से इसे मनचाहे आकार (जैसे चौकोर या आयताकार) में काटना है। काटने के निशान लगा दें, लेकिन अभी इसे अलग-अलग न करें। इसे पूरी तरह से ठंडा होने दें। लगभग 15 से 20 मिनट बाद, जब चिक्की पूरी तरह से सख्त और कुरकुरी हो जाए, तब आप इसे टुकड़ों में तोड़कर एक एयरटाइट कंटेनर में स्टोर कर सकते हैं।

चाशनी और तिल को मिलाना

चाशनी के तैयार होते ही, गर्म हो जाए, तो इसमें तोड़ा हुआ गुड़ डालकर मध्यम से धीमी आंच पर पिघलाएं। इस दौरान इसे लगातार चलाते रहें। जब गुड़ पूरी तरह से पिघल जाए और उसमें बुलबुले आने लगें, तो आपको एक 'वॉटर टेस्ट' करना होगा। एक कटोरी में ठंडा पानी लें और उसमें चाशनी की एक-दो बूंदें डालें। अगर बूंदें पानी में फैलने के बजाय तुरंत टूटकर कड़क हो जाएं (जैसे कोई टॉफी टूटती है), तो समझ लीजिए कि चाशनी एकदम तैयार है।

सर्दियों में संतरा खरीदते समय आजमाएं ये ट्रिक्स..

जब भी सर्दियों के मौसम फलों की बात आती है, तो संतरे का नाम अक्सर सबसे पहले दिमाग में आता है. इस मीठे स्वाद वाले फल का महत्व सर्दियों में बढ़ जाता है. विटामिन C से भरपूर इस फल के कई फायदे हैं. संतरे में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर होते हैं. संतरे शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मदद करता है. हालांकि, संतरे खरीदते समय अक्सर समस्या होती है. खरीदने के बाद, संतरे बहुत खट्टे होते हैं. अधिकतर लोग खट्टे नारंगी के बजाय मीठा नारंगी पसंद करते हैं. लेकिन संतरा खरीदते समय कैसे पता करें कि वह मीठा है या खट्टा?

- संतरा मीठा है या नहीं, यह पता लगाने का सबसे आसान तरीका है उसे तौलना. अगर संतरा आपके हाथ में हल्का लगे, तो उसमें पानी की मात्रा कम है और वह खट्टा हो सकता है. और अगर संतरा भारी लगे, तो इसका मतलब है कि उसमें ज़्यादा जूस है और वह ज़्यादा मीठा लगेगा. इसलिए, संतरे को खरीदते समय हमेशा उसका वज़न महसूस करें.
- संतरे के छिलके पर हल्का उभार या खुरदुरापन बताता है कि वह ताज़ा और मीठा है. इसके उलट, अगर छिलका ढीला है या उसमें जोड़ दिख रहे हैं, तो उसे न खरीदना ही बेहतर है. ऐसे छिलके वाले संतरे आमतौर पर ज़्यादा खट्टे होते हैं और उनका स्वाद अच्छा नहीं होता.
- संतरे का टेक्सचर उसकी महक से भी पता लगाया जा सकता है. आप संतरे के छिलके को हल्के हाथ से रगड़कर उसकी महक ले सकते हैं. अगर महक मीठी है, तो संतरा भी मीठा होगा. छोटे संतरों में ताज़ी महक या मिठास नहीं होता.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

आईकार्ड रिबन से गला घुटा, बीएसएफ जवान के आठवीं के छात्र की मौत से हड़कंप

मेरठ में कंकरखेड़ा के सैनिक विहार में सोमवार शाम हैरान कर देने वाली दर्दनाक घटना हुई। घर के अंदर स्कूल के आईकार्ड रिबन से गला घुटने के कारण आठवीं के छात्र की मौत हो गई। मां मकान के ऊपर वाले कमरे में बेटे को देखने पहुंची तो फर्श पर छात्र उलटा पड़ा मिला। गले में आईकार्ड का फंदा लगा था। परिजन उसे लेकर अस्पताल भागे, लेकिन डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

सैनिक विहार कॉलोनी सी-ब्लॉक निवासी दीपक कुमार बीएसएफ में जवान हैं और त्रिपुरा में तैनाती है। घर पर पत्नी गुड़िया, 15 साल की बड़ी बेटी, 13 साल का मझला बेटा लक्ष्य और 11 साल की छोटी बेटी है। लक्ष्य आर्मी स्कूल में कक्षा 8 का छात्र था। शाम करीब 4.20 बजे लक्ष्य स्कूल ड्रेस बदलने को ऊपर वाले कमरे में चला गया। शाम करीब 6.30 बजे गुड़िया ऊपर वाले कमरे में गई तो वहां फर्श पर लक्ष्य उलटा पड़ा था। उसके गले में आईकार्ड के फीते से फंदा लगा था। लक्ष्य का शरीर पूरी तरह ठंडा पड़ चुका था।

मौत का अलार्म लगाकर सोया कानपुर सिटी टॉपर, सुबह-सुबह ट्रेन के सामने लगाई छलांग

कानपुर. हाईस्कूल में 97.40 फीसदी नंबर लाकर कानपुर में सिटी टॉप करने वाले 12वीं के छात्र रौनक पाठक ने सोमवार सुबह गोविंदपुरी स्टेशन के पास ट्रेन से कटकर जान दे दी। परिजनों का कहना है कि इंटर की प्री-बोर्ड परीक्षा को लेकर वह तनाव में था। रौनक मानो रात में आत्महत्या का अलार्म लगाकर सोया था। सुबह साढ़े छह बजे मोबाइल पर अलार्म बजते ही वह घर से बाइक से निकल गया और गोविंदपुरी स्टेशन के पास ट्रेन से कटकर जान दे दी। उसने एक दिन पहले चचेरे भाई से अंग्रेजी के पेपर की तैयारी न होने की बात भी कही थी.

कफ सिरप कांड में STF को बड़ी कामयाबी, बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह गिरफ्तार

लखनऊ. कफ सिरप कांड में यूपी एसटीएफ को बड़ी कामयाबी मिली है। इस मामले में बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह को लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया गया है। एक पूर्व सांसद के करीबी बजाए जाने वाले आलोक को भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। उसके खिलाफ लुक आउट नोटिस भी जारी था। आलोक सिंह के खिलाफ अलग सबूत मिलने के बाद सोमवार को ही उसका नाम लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज एफआईआर में शामिल कर लिया गया था। बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह के बारे में आशंका जताई जा रही थी कि कहीं वह विदेश न भाग जाए। इसी आशंका के चलते एसटीएफ ने उसके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी करवाया था।

भीषण हादसा; ट्रक से टक्कर के बाद पलटी बस में लगी आग, तीन की मौत, दो दर्जन घायल

बलरामपुर. यूपी के बलरामपुर में मंगलवार की देर रात भीषण बस हादसा हुआ है। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के फुलवरिया बाईपास के पास बस की ट्रक से जबरदस्त टक्कर के बाद आग लग गई। दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो दर्जन यात्री घायल हैं। कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। 23 घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें पांच की हालत गंभीर है। उन्हें बहराइच के मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। मौके पर जिले के आला पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे हैं। बस बिहार के सोनौली से दिल्ली जा रही थी।

'क्या घुसपैठियों के लिए रेड कार्पेट बिछाएं?'

- रोहिंग्याओं के मुद्दे पर भड़के CJI सूर्यकांत

नई दिल्ली. रोहिंग्या समुदाय से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार और याचिकाकर्ता दोनों से तीखे सवाल किए। अदालत ने स्पष्ट किया कि रोहिंग्याओं की कानूनी स्थिति तय किए बिना उनके अधिकारों पर चर्चा नहीं की जा सकती और यह भी पूछा कि क्या भारत सरकार ने कभी उन्हें 'शरणार्थी' घोषित किया है। सीजेआई ने तीखा सवाल करते हुए पूछा कि 'क्या घुसपैठियों के लिए रेड कार्पेट बिछाएं?

दरअसल मुख्य न्यायाधीश (CJI) जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची की पीठ एक हैबियस कॉर्पस याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि मई महीने में दिल्ली पुलिस ने कुछ रोहिंग्या व्यक्तियों को हिरासत में लिया, जिसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल रहा। साथ ही याचिका में मांग की गई कि यदि उनको उनके देश लौटाना हो, तो यह प्रक्रिया कानून के अनुसार ही होनी चाहिए।

केंद्र के पास शरणार्थी घोषित करने का कोई आदेश है?- CJI

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सुनवाई की शुरुआत में ही मुख्य न्यायाधीश ने केंद्र सरकार की ओर से किसी भी आधिकारिक अधिसूचना का अभाव उठाते हुए पूछा- भारत सरकार का कौन-सा आदेश है जो उन्हें 'शरणार्थी' घोषित करता है? 'शरणार्थी' एक विधिक परिभाषित शब्द है। यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से घुसपैठ करता है, तो क्या हमारे पास उसे यहां रखने की बाध्यता है? पीठ ने पूछा- अगर किसी का कानूनी दर्जा ही नहीं है और वह घुसपैठिया है, तो क्या हमारा दायित्व बनता है कि हम उसे यहां रखें? बेंच ने आगे कहा- अगर उनके पास भारत में रहने का कानूनी अधिकार नहीं है और वे घुसपैठिए हैं, तो क्या हम उत्तर भारत की बेहद संवेदनशील सीमा पर आए किसी घुसपैठिए का रेड कार्पेट बिछाकर स्वागत करें? याचिकाकर्ता की वकील ने स्पष्ट किया कि वे रोहिंग्याओं के लिए शरणार्थी दर्जा मांग ही नहीं रही हैं, बल्कि केवल यह मांग कर रही हैं कि किसी भी निर्वासन की प्रक्रिया कानून के मुताबिक हो।

अपलोड नहीं किया वक्फ संपत्ति का ब्यौरा तो हो जाएगी सजा

- SC ने नहीं बढ़ाई समय सीमा

नई दिल्ली. वक्फ की संपत्तियों की डीटेल 'UMEED' पोर्टल पर अपलोड करने की समय सीमा बढ़ाने से सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से कहा है कि वे संबंधित ट्राइब्यूनल में जाकर अपनी बात रखें। बता दें कि समय सीमा बढ़ाने वाली याचिकाओं में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोल्ड (AIMPLB) और AIMIM नेता असदुद्दीन ओवैसी की याचिका भी शामिल थी। वक्फ संपत्तियों का ब्यौरा पोर्टल पर अपलोड करने के लिए 5 दिसंबर तक का समय दिया गया है। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो संबंधित व्यक्ति या संस्था को सजा भी हो

सकती है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि वक्फ कानून को अदालत दोबारा नहीं लिख सकती है बल्कि वक्फ अधिनियम में उपाय पहले से ही मौजूद हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पहले ही कहा था कि हर मुतवल्ली ट्राइब्यूनल में जाकर मामले के आधार पर राहत का ले सकता है। कोर्ट ने उनकी इस बात को रेखांकित करते हुए समयसीम बढ़ाने से इनकार कर दिया।

- कितनी हो सकती है सजा?

इससे पहले 15 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 को पूरी तरह से स्थगित करने से इनकार कर दिया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने कुछ प्रावधानों पर रोक लगाई थी। नियमों के मुताबिक वक्फ संपत्ति ना अपलोड करने वालों को छह माह की सजा और 20 हजार रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। जो लोग संपत्तियों को पोर्टल पर दर्ज नहीं करवाएंगे उनकी संपत्ति का दर्जा खत्म कर दिया जाएगा और बाद में केवल वक्फ ट्राइब्यूनल के आदेश पर ही दोबारा पंजीकरण किया जा सकेगा।

POCSO मामले में बीएस येदियुरप्पा को बड़ी राहत

- सुप्रीम कोर्ट ने HC की कार्यवाही पर लगाई रोक

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो कानून के तहत दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर मंगलवार को रोक लगा दी है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमल्या बागची की पीठ ने यदियुरप्पा की उस याचिका पर सुनवाई करते हुए अंतरिम आदेश पारित किया जिसमें उन्होंने मामले को रद्द करने से इनकार संबंधी कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'नोटिस जारी किया जाए। इस बीच निचली अदालत की कार्यवाही स्थगित रहेगी।'

येदियुरप्पा की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि हाई कोर्ट ने ''महत्वपूर्ण साक्ष्यों की उपेक्षा की'' और उन बयानों पर ध्यान नहीं दिया जिनसे यह संकेत मिलता है कि कथित घटना के दौरान 'ऐसा कुछ हुआ ही नहीं।'

रूस के साथ होगी बड़ी डिफेंस डील

- जानें कितना अहम है व्लादिमीर पुतिन का भारत दौरा

नई दिल्ली. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच बड़े रक्षा खरीद सौदों को लेकर बात होने वाली है। इसमें एसयू-57 लड़ाकू विमानों और एडवान्स्ड एस-500 मिसाइल डिफेंस सिस्टम को लेकर प्रमुखता से बातचीत हो सकती है। अमेरिका की नाराजगी के बावजूद भारत और रूस के बीच रणनीतिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों के बाद अब आपसी सहयोग से सैन्य शक्ति बढ़ाने की भी पूरी तैयारी हो चुकी है।

भारत को है ज्यादा विमानों की जरूरत

भारत की वायुसेना इस समय लड़ाकू विमानों की कमी का सामना कर रही है। ऐसे में भारत के लिए भी डील जरूरी है। रूस की स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्ट इंस्टिट्यूट आज भी भारत को सबसे ज्यादा मिलिट्री हार्डवेयर सप्लाई करता है। भारत ने अमेरिका, फ्रांस समेत अन्य देशों से भी हथियारों की डील की है लेकिन रूस अब भी सबसे बड़ा हथियार सप्लायर बना हुआ है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत बातचीत में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 'गेम चेंजर' साबित हुई वायु रक्षा प्रणाली एस-400 के पांच और स्क्वैड्रन की खरीद के बारे में भी चर्चा करेगा। पुतिन 23 वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए दो दिन की यात्रा पर चार दिसम्बर को भारत आ रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन की बातचीत के दौरान भारत पुराने रक्षा सौदे के तहत बाकी बचे एस-400 के दो स्क्वैड्रनों की जल्द आपूर्ति और वायु रक्षा प्रणाली के पांच अतिरिक्त स्क्वैड्रनों की खरीद के सौदे के बारे में विस्तार से चर्चा करने की योजना पर काम कर रहा है।

मालूम हो कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान गेम चेंजर साबित हुई एस-400 रक्षा प्रणाली की सफलता के बाद से भारत ने इसके और स्क्वैड्रनों के लिए रूस के साथ खरीद समझौते को पर बातचीत को आगे बढाने का मन बना लिया है। भारत ने वर्ष 2018 में रूस से एस-400 के पांच स्क्वैड्रनों की खरीद के समझौते पर हस्ताक्षर किये थे।

प्रधानमंत्री सदन में आओ...

- संसद परिसर में विपक्षी सांसदों का जोरदार प्रदर्शन, सोनिया, खरगे भी मौजूद

नई दिल्ली. संसद के शीतकालीन सत्र का पहला दिन SIR पर हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद मंगलवार को भी विपक्ष का हमला जारी है। कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत विपक्षी सांसदों ने सत्र के दूसरे दिन संसद परिसर में SIR के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने जमकर नारेबाजी भी की। विपक्षी सांसदों के हाथ में SIR के विरोध में कई पोस्टर भी दिखे, जिनमें इस प्रकिया को रोकने की मांग की गई है।

विपक्षी दलों के संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्र होकर प्रदर्शन कर रहे विपक्षी नेताओं ने 'एसआईआर वापस लो' और 'प्रधानमंत्री सदन में आओ' के नारे लगाए। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने कहा जी कि उनका यह प्रदर्शन अभी जारी रहेगा। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, "प्रोटेस्ट करते रहेंगे। जो अन्याय हो रहा है, लोकतंत्र को बचाने के लिए, ये प्रोटेस्ट करते रहेंगे।"

विरोध प्रदर्शन किया है। इस दौरान सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, द्रमुक नेता टी आर बालू और कई अन्य विपक्षी सांसद भी मौजूद रहे।

पहले दिन भी हुआ हंगामा...

इससे पहले शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को भी विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही बाधित रही थी। वहीं राज्यसभा में विपक्ष ने इस मुद्दे पर सदन से वॉकआउट किया था। सरकार ने कहा कि वह चर्चा के खिलाफ नहीं है, लेकिन इसके लिए कोई निश्चित समययीमा तय नहीं की जा सकती। विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही बाधित रही और सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

डिलीट कर सकते हैं संचार साथी ऐप

- रखना भी जरूरी नहीं
- सरकार का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली. संचार साथी ऐप को लेकर जारी विवाद के बीच सरकार ने कहा है कि इसे फोन में रखना जरूरी नहीं है। साथ ही यूजर इसे डिलीट भी कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। दूरसंचार विभाग ने नवंबर में निर्देश जारी किया था कि भारत में इस्तेमाल हो रहे फोन में संचार साथी ऐप अनिवार्य होगा। विपक्ष ने इस ऐप के जरिए जासूसी के आरोप लगाए हैं।

सिंधिया ने कहा, 'इसके आधार पर न कोई जासूसी है, न कोई कॉल मॉनीटरिंग है। अगर आप चाहते हैं, तो इसे एक्टिवेट करें। अगर आप नहीं चाहते, तो इसे एक्टिवेट मत करो। अगर आप इसे अपने फोन में रखना चाहते हैं, तो रखो। अगर आप इसको डिलीट करना चाहते हो, तो डिलीट करो...। अगर आपको संचार साथी इस्तेमाल नहीं करना है, तो डिलीट कर दो। इसे डिलीट कर सकते हैं, कोई परेशानी नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'यह उपभोक्ता की सुरक्षा की बात है...। आपको डिलीट करना है, तो डिलीट कर दोगे आप। कोई अनिवार्य नहीं है। अगर आप इस ऐप का उपयोग नहीं करना चाहते, तो इस पर रजिस्टर मत करो। पर हर व्यक्ति को देश में नहीं मालूम कि चोरी से बचाने, फ्रॉड से बचाने के लिए यह ऐप है। हर व्यक्ति तक यह ऐप पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। अगर आपको डिलीट करना है, तो आप डिलीट कर दो। नहीं इस्तेमाल करना तो रजिस्टर मत करो। जब आप रजिस्टर नहीं करोगे, तो यह ऐक्टिवेट कैसे होगा।'

विपक्ष पर साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री ने विरोध करने पर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'जब विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं होता है और विपक्ष मुद्दा ढूंढना चाहता है, तो विपक्ष की मदद हम नहीं कर सकते। हमारी जिम्मेदारी है, उपभोक्ताओं की मदद और सुरक्षा की। क्या है संचार साथी। संचार साथी एक ऐप है, एक पोर्टल है। जिसके आधार पर हर एक उपभोक्ता अपनी सुरक्षा अपने हाथों से कर पाता है।

पबजी खेलने से रोकने पर गला घोंटकर पत्नी को मार डाला

- 6 महीने पहले हुई थी शादी; आरोपी पति फरार

रीवा. मध्य प्रदेश में एक खौफनाक वारदात सामने आई है। मोबाइल पर पबजी गेम खेलने से मना करने पर पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पति के दिनभर पबजी गेम खेलने से परेशान होकर पत्नी ने उसे गेम खेलना छोड़कर काम करने की सलाह दी। इससे नाराज होकर उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी।

मध्य प्रदेश के रीवा जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत गुढ़ कस्बे के वार्ड संख्या 15 में नव विवाहिता का शव उसके घर में मिलने के बाद हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान नेहा पटेल के रूप में हुई है। उसके पति पर ही उसकी हत्या करने का आरोप लगा है। आरोप है कि लगातार दहेज की मांग और पबजी गेम खेलने पर मना करने से विवाद बढ़ा, जिसके बाद पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पति के दिनभर पबजी गेम खेलने से परेशान होकर पत्नी ने उसे काम करने की सलाह दी, जिससे नाराज होकर उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। हत्या के बाद अपने साढ़ू को घटना की जानकारी देकर और पत्नी की लाश को कमरे में बंद कर वह फरार हो गया।

बताया जा रहा है कि 5 मई 2025 को नेहा की शादी हिंदू रीति रिवाज के अनुसार, गुढ़वा निवासी रंजीत से हुई थी। छह माह पहले अग्नि के सात फेरे लेकर जिसके साथ सात जन्मों तक साथ निभाने की कसमें खाईं, उसी पति पर अब अपनी पत्नी की हत्या का आरोप लगा है।

मोबाइल पर पबजी गेम खेलने की लत पति रंजीत पटेल को ऐसी लगी कि पत्नी की हर बात उसे नागवार गुजर रही थी। वो लगातार पत्नी से दहेज की मांग कर रहा था जिसे उसके ससुराल वाले पूरा नहीं कर पा रहे थे। इस बात को लेकर भी वो अपनी पत्नी से अक्सर विवाद करता था। पति दिनभर पबजी गेम खेलता था और कोई काम भी नहीं करता था। इसे लेकर अक्सर पत्नी उसे कुछ काम करने की सलाह देती थी, और इसी बात पर दोनों में झगड़ा भी होता था।

घटना के दिन भी देर रात पत्नी ने पति को पबजी खेलने की बजाय रोजी रोजगार करने की सलाह दी तो वह भड़क उठा। उसने गमछे से नेहा का गला घोंट दिया। घटना के वक्त परिजन दूसरे कमरे में थे। उन्हें इस घटना की भनक तक नहीं लगी। इसके बाद रंजीत घर का दरवाजा बाहर से बंद कर फरार हो गया। बाद में उसने अपने साढ़ू को मैसेज भेज कर नेहा को जाने से मारने की जानकारी दी।

IPL 2026 मिनी ऑक्शन- 1355 प्लेयर्स रजिस्टर्ड

- 2 करोड़ बेस प्राइस पर 45 नाम, 77 स्लॉट खाली
- ग्रीन पर KKR और CSK की नजर

अगले IPL के लिए 1355 प्लेयर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। 2 करोड़ की बेस प्राइस कैटेगरी में ऑस्ट्रेलिया के कैमरन ग्रीन, इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टन, भारत के रवि बिश्नोई और वेंकटेश अय्यर, श्रीलंका के मथीश पथिराना और वनिंदु हसरंगा समेत कुल 45 खिलाड़ी शामिल हैं। रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 30 नवंबर थी। मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में होगा। रजिस्ट्रेशन पूरा होने के बाद IPL ने यह लंबी लिस्ट सभी फ्रेंचाइजियों को भेज दी है। हर टीम में अधिकतम 25 खिलाड़ी रखे जा सकते हैं। ऐसे में इस बार ऑक्शन में कुल 77 स्लॉट भरे जाएंगे, जिनमें 31 विदेशी स्लॉट भी शामिल हैं।

ग्रीन पर रहेगी नजर

ऑक्शन में सबसे बड़ी नजर ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर रहेगी। वे पिछले साल बैक इंजरी की वजह से मेगा ऑक्शन में नहीं उतरे थे। इस बार KKR और CSK दोनों उनके लिए बोली लगा सकते हैं। इन दोनों टीमों के पास सबसे बड़ा पर्स है और एक-एक विदेशी स्लॉट भी खाली है। KKR को ग्रीन का मजबूत दावेदार माना जा रहा है, क्योंकि वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल के IPL से रिटायर होने के बाद टीम को एक ऐसे ऑलराउंडर की जरूरत है जो हर स्थिति में बल्लेबाजी कर सके और गेंदबाजी भी दे सके।

रिलीज हुए कई बड़े नाम 2 करोड़ की कैटेगरी में

कई खिलाड़ी जिन्हें हाल ही में टीमों ने रिलीज किया था, उन्होंने भी खुद को 2 करोड़ की बेस प्राइस में रखा है। इनमें CSK के पथिराना भी हैं, जिन्हें चेन्नई ने पिछले साल 13 करोड़ में रिटेन किया था, लेकिन चोट की वजह से वे पूरा असर नहीं दिखा पाए। इसी तरह इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टन को RCB ने पिछले मेगा ऑक्शन में 8.75 करोड़ में लिया था, लेकिन एक सीजन बाद ही रिलीज कर दिया।

भारतीय खिलाड़ियों में वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई भी 2 करोड़ की कैटेगरी में हैं। LSG ने बिश्नोई को पिछले साल 11 करोड़ में रिटेन किया था, लेकिन लगातार कमजोर प्रदर्शन की वजह से अब उन्हें रिलीज कर दिया गया।

पाक ने श्रीलंका भेजी एक्सपायर राहत सामग्री

कोलंबो. श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वा' से उत्पन्न बाढ़ और भूस्खलन की तबाही के बीच पाकिस्तान की 'मानवीय सहायता' एक अंतरराष्ट्रीय विवाद का कारण बन गई है। दरअसल पाकिस्तान ने श्रीलंका को जो राहत सामग्री भेजी उसमें कई आइटम एक्सपायर हो चुके थे। इससे कोलंबो में लोगों का गुस्सा भड़क उठा। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन और विदेश मामलों के अधिकारियों ने इसे 'गंभीर चिंता' का विषय बताते हुए पाकिस्तान से औपचारिक स्पष्टीकरण मांगा है। सोशल मीडिया पर इसे 'सहायता कूटनीति का मजाक' करार देते हुए व्यापक आलोचना हो रही है।

चक्रवात 'दित्वा' ने 28 नवंबर को श्रीलंका को बुरी तरह प्रभावित किया था, जिसमें 132 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, 176 लापता हैं और करीब 78,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं। इस आपदा के बीच पाकिस्तान ने 'भाईचारे' का दावा करते हुए तत्काल सहायता की घोषणा की थी। 29 नवंबर को पाकिस्तानी नौसेना का जहाज कोलंबो बंदरगाह पर पहुंचा, जिसमें कई टन राहत सामग्री लदी हुई थी।

श्रीलंका में पाकिस्तान के दूतावास ने 30 नवंबर को एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- पाकिस्तान से राहत पैकेज सफलतापूर्वक श्रीलंका के बाढ़ प्रभावित भाइयों-बहनों तक पहुंचाए गए। यह हमारी अटूट एकजुटता का प्रतीक है। पाकिस्तान हमेशा श्रीलंका के साथ खड़ा है। लेकिन जब श्रीलंका के अधिकारियों ने इन सामग्रियों की जांच की, तो कई पैकेटों पर 2024 की एक्सपायरी डेट मिली। मेडिकल सप्लाई और फूड आइटम खराब पाए गए, जिससे आपदा प्रभावितों के लिए ये बेकार साबित हुए। कोलंबो के अधिकारियों के अनुसार, इस सहायता सामग्री में मौजूद कई मेडिकल सप्लाई, खाद्य पैकेट और आवश्यक वस्तुएं पहले ही एक्सपायर हो चुकी थीं। सामग्री की जांच के दौरान अधिकारियों ने

चुनाव सुधारों पर लोकसभा में 9 दिसंबर को चर्चा

- सरकार ने फौरन बहस के लिए अड़े विपक्ष को मनाया
- 8 दिसंबर को वंदे मातरम् पर चर्चा

नई दिल्ली. चुनाव सुधार यानी SIR पर लोकसभा में 9 दिसंबर को चर्चा होगी। संसद में दो दिन से फौरन चर्चा पर अड़ा विपक्ष बहस के लिए मान गया है। मंगलवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता के. सुरेश ने बताया, '9 दिसंबर को इलेक्टोरल रिफॉर्म्स यानी चुनावी सुधारों पर 10 घंटे बहस होगी।'

साथ ही उन्होंने कहा- एक दिन पहले 8 दिसंबर को वंदे मातरम् पर चर्चा होगी। इसके लिए भी 10 घंटे का समय तय किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बहस की शुरुआत करेंगे। वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर सरकार सदन में इस पर चर्चा करा रही है।

SIR पर चर्चा के लिए अड़ा था विपक्ष

शीतकालीन सत्र के पहले दो दिन हंगामे की वजह से सदन का कामकाज प्रभावित हुआ। विपक्ष SIR और वोट चोरी के आरोप पर फौरन चर्चा की मांग पर अड़ा था। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्य सभा में कहा ' SIR की प्रोसेस के दौरान 12-13 लोगों की जान जा चुकी है। ये अर्जेंट मैटर है। फौरन चर्चा होनी चाहिए। विपक्ष ने दोनों सदनों की कार्यवाही चलने नहीं दी।

प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम अब सेवा तीर्थ

- केंद्रीय सचिवालय कर्तव्य भवन और राजभवन अब लोकभवन कहलाएंगे
- PMO बोला- सत्ता से सेवा की ओर बढ़ रहे

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) का नाम बदलकर सेवा तीर्थ कर दिया है। देश भर के राज्य भवन का नाम अब लोक भवन होगा। इसके अलावा केंद्रीय सचिवालय को कर्तव्य भवन के नाम से जाना जाएगा।

न्यूज एजेंसी PTI ने सरकार के सूत्रों के हवाले से मंगलवार को यह जानकारी दी। PMO के अफसरों ने कहा, 'सार्वजनिक संस्थानों में बड़ा बदलाव हो रहा है। सत्ता से सेवा की ओर बढ़ रहे हैं। ये बदलाव प्रशासनिक नहीं, सांस्कृतिक है।'

सेवा तीर्थ में क्या-क्या होगा?

- PMO सेवा तीर्थ-1 से काम करेगा।
- सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय होगें।
- सेवा तीर्थ-3 में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) का दफ्तर होगा।

इससे पहले केंद्र सरकार ने राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ किया था। पीएम का आधिकारिक निवास भी रेस कोर्स रोड कहलाता था, जिसे 2016 में बदलकर लोक कल्याण मार्ग किया गया था।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले साल राज्यपालों के सम्मेलन में हुई एक चर्चा का हवाला देते हुए कहा कि राज भवन नाम औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। इसलिए राज्यपालों और उप-राज्यपालों के कार्यालयों को अब लोक भवन और लोक निवास के नाम से जाना जाएगा।

78 साल पुराने साउथ ब्लॉक से शिफ्ट होगा PMO

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दफ्तर (PMO) अब 78 साल पुराने साउथ ब्लॉक से निकलकर 'सेवा तीर्थ' नाम वाले नए एडवांस कैंपस में शिफ्ट होने जा रहा है। यह बदलाव सेंट्रल विस्टा री डेवलपमेंट प्रोजेक्ट का बड़ा हिस्सा है। 14 अक्टूबर को कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन सेवा तीर्थ-2 में सेना प्रमुखों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर चुके हैं।

संक्षेप...

माँ की शिकायत पर पिता पर केस दर्ज

मुंबई. सहार पुलिस की हद में एक चौंकाने वाली घटना हुई है, जहाँ एक छह साल के बच्चे को उसके पिता ने तार और बेल्ट से पीटकर बुरी तरह घायल कर दिया। जब बच्चे की माँ ने पिटाई के बारे में पूछा, तो पति ने उसके साथ गाली-गलौज की और उसे भी जान से मारने की धमकी दी। माँ की शिकायत के आधार पर सहार पुलिस केस दर्ज किया। शिकायतकर्ता 27 साल की महिला है, जो नौकरी करती है और अपनी माँ के साथ रहती है। उसका छह साल का बेटा सहार गाँव इलाके में अपने पिता के साथ रहता है।

घोड़बंदर रोड परिसर की हवा बहुत ज़्यादा खतरनाक

■ **वातावरण प्रदूषण पर तुरंत कदम उठाएं- नरेश मनेरा**

ठाणे. मनपा क्षेत्र के अंतर्गत की सीमा में कापरबावड़ी से गायमुख तक घोड़बंदर रोड परिसर में मेट्रो, मेन रोड और सर्विस रोड को मिलाने, पानी की सप्लाई पाइपलाइन बिछाने, बिल्डिंग बनाने आदि की वजह से जगह-जगह सड़कों को बड़े पैमाने पर खोदा गया है, और वहां की मिट्टी और धूल के कारण से पूर्व डिप्टी मेयर नरेश मनेरा ने ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव को पत्र लिखकर बहुत ज़्यादा खतरनाक और सेहत के लिए खराब हवा पर तुरंत कदम उठाने की मांग की है।

मनपा प्रदूषण नियंत्रण विभाग की लापरवाही और गैर-ज़िम्मेदार मैनेजमेंट की वजह से, घोड़बंदर रोड के नागरिक, जवान और बूढ़े, साथ ही यहां से गुज़रने वाले दूसरी जगहों के नागरिक, यहां के बहुत ज़्यादा खतरनाक वायु प्रदूषण की वजह से सांस की दिक्कतों और आंखों की दिक्कतों से परेशान हैं।पूर्व मेयर मनेरा ने अपने पत्र में बताया है कि यह गंभीर स्थिति इसलिए पैदा हुई है क्योंकि प्रदूषण नियंत्रण विभाग को लेकर पहले ही कुछ नियम बनाए हैं और उनका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सज़ा के लिए भी नियम बनाए हैं, लेकिन इस बारे में संबंधित लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों के तहत, जिन इलाकों में सड़कें खोदी जाती हैं, वहां फैले मिट्टी के ढेरों पर पानी का छिड़काव करना, उन्हें मिट्टी ले जाने वाले डंपरों को ढकना और बिल्डिंग बनाने वाली जगहों पर ज़रूरत पड़ने पर कवर या स्क्रीन लगाना ज़रूरी है, और इन नियमों का उल्लंघन करने वाले कॉन्ट्रैक्टर, डंपर मालिकों और डेवलपर्स पर भारी जुर्माना लगाने का नियम होने के बावजूद,मनपा प्रदूषण नियंत्रण विभाग अपनी ही सुस्ती और आलस में काम कर रहा है।प्रदूषण नियंत्रण विभाग बिना मिट्टी ढके और कोई कार्रवाई किए बिना काम के लिए सड़कें खोदने वाले डंपरों और कॉन्ट्रैक्टरों को नज़रअंदाज़ कर रहा है, इसलिए नरेश मनेरा ने अपने पत्र में यह सवाल भी पूछा है कि यह प्रदूषण नियंत्रण विभाग है या प्रदूषण बनाने वाला डिपार्टमेंट।

9 साल के लड़के के साथ वॉचमैन ने किया सेक्शुअल असॉल्ट

मुंबई. ताड़देव से एक परेशान करने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक 9 साल के लड़के के साथ उसके घर के वॉचमैन ने कथित तौर पर सेक्शुअल असॉल्ट किया। यह घटना ताड़देव के एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में हुई। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया ताड़देव पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी पहचान वीरेंद्र रामजी राय (60) के तौर पर हुई है, जो वॉचमैन का काम करता था। उसे डिटेक्शन स्टाफ ने उसके घर के इलाके से हिरासत में लिया।

सख्त कानूनों के तहत प्राथमिकी दर्ज

भारतीय न्याय संहिता के सेक्शन 127(2) और 351(3) और पोक्सो एक्ट के सेक्शन 4, 6, और 8 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी के मुताबिक, पीड़ित – शिकायत करने वाले का 9 साल का बेटा – अपनी बिल्डिंग के कंपाउंड में खेल रहा था, तभी आरोपी उसके पास आया। हमले की डिटेल्स सामने आईं कथित तौर पर वॉचमैन ने बच्चे को गले लगाया, उसके गाल खींचे, और उन्हें काटने की कोशिश की। फिर उसने बच्चे की पैंट के अंदर हाथ डाला और उसके प्राइवेट पार्ट्स को छुआ। बच्चे को मीटर रूम में बंद किया, धमकाया इसके बाद आरोपी लड़के को मीटर रूम में ले गया, दरवाज़ा अंदर से बंद कर दिया ताकि वह बाहर न निकल सके, और उसने फिर से मारपीट की। प्राथमिकी में आगे बताया गया है कि आरोपी ने बच्चे को धमकी दी कि अगर उसने इस घटना के बारे में किसी को बताया तो वह उसके पैर तोड़ देगा।

खुले मैदान में रखे कबाड़ के ढेर में आग

■ **किसी के हताहत होने की सूचना नहीं**

मुंबई. गोरेगांव इलाके में मंगलवार तड़के एक खुले मैदान में रखे कबाड़ के ढेर में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि आग गोरेगांव (पूर्व) में शकाला औद्योगिक एस्टेट के पास गणेश नगर स्थित गोखले वाडी में तड़के साढ़े तीन बजे लगी।

सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग, पुलिस, एम्बुलेंस सेवाएं, नगर निकाय कर्मचारी आदि मौके पर पहुंचे। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगभग 4,000 वर्ग फुट खुले मैदान में सूखी झाड़ियों, घास, कूड़े, प्लास्टिक के कचरे और कबाड़ सामग्री तक सीमित रही। अधिकारी ने बताया कि दमकल की चार गाड़ियां, दो विशाल टैंकर, एक पानी का टैंकर और एक त्वरित प्रतिक्रिया वाहन तैनात किया गया है और अग्निशमन कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। आग लगने की वजह का अभी पता नहीं चल पाया है।

ठाणे आनंदनगर में अवैध लॉजिंग

■ **विधायक केलकर ने कहा बीजेपी लेगी एक्शन**

ठाणे. शहर में घोड़बंदर के आनंदनगर इलाके में एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स से सटे प्लॉट पर अवैध परमिट रूम और लॉजिंग है, और लोगों ने विधायक संजय क किया है। इस मामले में, ठाणे के विधायक केलकर ने ज़ोनल डिप्टी कमिश्नर को तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि अगर कार्रवाई में देरी हुई, तो बीजेपी लोगों के साथ सड़कों पर उतरकर विरोध करेगी।

खोपट में बीजेपी ऑफिस में आयोजित जनसेवक जनसंवाद कार्यक्रम में, आनंदनगर इलाके में विजय वाटिका हाउसिंग

कॉम्प्लेक्स के लोगों ने विधायक संजय केलकर से मुलाकात की और एक बयान दिया। जहां एक तरफ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था का रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स, मंदिर और ऑडिटोरियम है, वहीं यहां एक खुले प्लॉट पर अवैध रूप से परमिट रूम और लॉजिंग के लिए कंस्ट्रक्शन शुरू हो गया है। इससे भविष्य में इलाके में असुरक्षित माहौल बनेगा और लोगों का यहां रहना मुश्किल हो जाएगा। आज जारी इस बयान में इन कंस्ट्रक्शन के खिलाफ तुरंत एक्शन लेने और लोगों को राहत देने की मांग की गई है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए, विधायक केलकर ने ठाणे मनपा के संबंधित क्षेत्रीय उपायुक्त से बात की और तुरंत एक्शन लेने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर एक्शन लेने में कोई देरी हुई, तो बीजेपी भी लोगों के साथ सड़कों पर उतरकर विरोध करेगी।

इस बारे में बात करते हुए विधायक संजय केलकर ने कहा, एक तरफ कोर्ट के ऑर्डर के बाद बिना इजाज़त बनी बिल्डिंग्स की सुविधाएं बाधित हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ बिना इजाज़त बनी बिल्डिंग्स का काम ज़ोरों पर चल रहा है। लोग लाखों रुपये देकर घर खरीदते हैं, क्या उन्हें रहने की जगह और परमिट वाले कमरे देखने चाहिए?

इस प्रोग्राम में शामिल होने के लिए भिवंडी पूर्णा से लोग आए थे। बिल्डर की धोखाधड़ी के कारण बिना इजाज़त बनी बिल्डिंग के खिलाफ एक्शन लेने का नोटिस जारी होने के बाद से 104 परिवार प्रभावित होंगे। बीजेपी नेता केलकर ने यह भी साफ किया कि जब तक इंसाफ नहीं मिल जाता, हम इन परिवारों के साथ खड़े रहेंगे। इस मौके पर बालकुंभ में घरों को ज़बरदस्ती गिराने, ब्रह्मला झील की समस्या, हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में बाड़ और डस्टबिन, महावितरण, शाखापा बिजली विभाग जैसे कई मुद्दों पर प्रतिनिधित्व मिले।

मुंब्रा में एक व्यक्ति की हत्या और एक घायल

■ **मुख्य आरोपी गिरफ्तार**

ठाणे. ठाणे जिले में कुछ लोगों ने कथित तौर पर एक व्यक्ति की हत्या कर दी और दूसरे को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार रात करीब नौ बजे मुंब्रा इलाके में एक मंदिर के पास हुई। इस मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुंब्रा पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक अनिल शिंदे ने बताया कि मुख्य आरोपी ऋतिक विनय दुबे उर्फ पंडित और कुछ अन्य व्यक्तियों ने गणेश पाड़ा में देवी चाल गांव के दो लोगों पर धारदार हथियारों से हमला किया। हमले में अभिजीत भास्कर पाटिल (20) की मौत हो गई, जबकि सुमित सुनील गावड़े (22) गंभीर रूप से घायल घायल हो गया, वह अस्पताल में उपचाराधीन है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमले के मकसद की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि दुबे को गिरफ्तार कर लिया गया है और उस पर तथा अन्य आरोपियों पर हत्या और भारतीय न्याय संहिता की अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कॉलेज स्टूडेंट की सुसाइड से मौत के मामले में केस दर्ज

मुंबई. 17 साल के कॉलेज स्टूडेंट की सुसाइड से मौत के मामले में, अंधेरी गवर्नमेंट रेलवे पुलिस ने आठ अनजान साइबर फ्रॉड करने वालों के खिलाफ कथित तौर पर उकसाने का केस दर्ज किया है। 21 जनवरी को जोगेश्वरी रेलवे स्टेशन पर लड़के को ट्रेन ने टक्कर मार दी थी। यह केस पिता की शिकायत और लड़के के फोन से मिले डिजिटल सबूतों के आधार पर दर्ज किया गया था।

केस के बारे में पीड़ित, विग्नेश चौगुले, श्री मुंबादेवी जूनियर कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड साइंस में फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट था, जिसकी मौत ट्रैक पर बिना इजाजत घुसने के बाद हुई। पुलिस जांच के मुताबिक, जो शुरू में एक्सीडेंटल मौत लग रही थी, वह एक ऑनलाइन टास्क स्कैम के कारण हुई सुसाइड निकली। जीआरपी ने सबसे पहले एक लड़के के ट्रेन से कटने की खबर मिलने के बाद एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट दर्ज की।

विग्नेश रात 10 बजे तक घर नहीं लौटा था, जिसके बाद उसके पिता उसे ढूंढने निकले, जिन्हें एक दोस्त ने अलर्ट किया, जिसे एक एम्बुलेंस ड्राइवर से विग्नेश जैसे दिखने वाले लड़के के बारे में जानकारी मिली थी। विग्नेश के पिता, 46 साल के नीलेश चौगुले ने कूपर हॉस्पिटल में अपने बेटे की पहचान की। एक पुलिस ऑफिसर ने कहा, "हमने लोन या रिश्तों जैसे कई एंगल से जांच की, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। सुराग उसके फोन एक्टिविटी से मिला— वह एक ऑनलाइन टास्क स्कैम में शामिल था।"

मेनहोल हादसे में मृत आयुष के परिजनों को मिलेगी 6 लाख की सहायता

कल्याण. डोंबिवली में दो माह पहले मैनहोल में गिरने से 13 वर्षीय बच्चे की मौत होई गयी थी. इस मामले में कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) ने अपनी ज़िम्मेदारी स्वीकार करते हुए मृतक बालक के माता-पिता को 6 लाख रुपए का मुआवज़ा देने पर सहमति जतायी है. यह राशि मृतक आयुष कदम के पिता एकनाथ कदम को आगामी दो हफ्तों के भीतर दी जाएगी.

ठाणे में 2 लाख 84 हज़ार गाड़ी मालिकों ने HSRP के लिए ऑनलाइन अप्लाई किया

■ **ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने 31 दिसंबर से पहले हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने की अपील की**

गाड़ी की सिक्योरिटी और लीगल रजिस्ट्रेशन के लिए हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाना अब ज़रूरी हो गया है। एडमिनिस्ट्रेशन समय-समय पर अलग-अलग अवेयरनेस एक्टिविटीज़ चला रहा है और इस कैंपेन को ठाणे के लोगों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।
-रोहित काटकर
(उपप्रादेशिक परिवहन अधिकारी ठाणे)

ठाणे. सरकार ने अब राज्य में सभी गाड़ियों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (HSRP) लगवाना ज़रूरी कर दिया है, जिसका ठाणे ज़िले में काफ़ी असर दिख रहा है। अब तक ठाणे प्रादेशिक परिवहन की वेबसाइट पर 2 लाख 84 हज़ार गाड़ी मालिकों ने ऑनलाइन अप्लाई किया है।नकली नंबर प्लेट, चोरी की गाड़ियों, गलत पहचान और ट्रांसपोर्टेशन से जुड़े कई मुश्किल मामलों से होने वाले अपराधों को देखते हुए, महाराष्ट्र सरकार ने सभी गाड़ियों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट ज़रूरी कर दिया है। इस फ़ैसले को लागू करने के लिए सरकार ने 4 दिसंबर, 2024 को एक आदेश जारी किया है, और 1 अप्रैल, 2019 से पहले रजिस्टर्ड गाड़ी मालिकों के लिए नई HSRP लगवाना ज़रूरी है।ठाणे प्रादेशिक परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के गाइडेंस में इस कैंपेन ने तेज़ी पकड़ी है। अब तक 2 लाख 84 हज़ार एप्लीकेशन आ चुके हैं, जिनमें से 2 लाख 75 हज़ार गाड़ी मालिकों को अपॉइंटमेंट दे दी गई है। इनमें से 206,000 गाड़ी मालिकों ने अपनी गाड़ियों पर नई HSRP लगवा ली है यह जानकारी ठाणे उपप्रादेशिक परिवहन अधिकारी रोहित काटकर ने दी।परिवहन विभाग ने हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने के लिए तीन ऑथराइज़्ड कंपनियों को अपॉइंट किया है। लोगों को बिना इजाज़त वाले वेंडर से ऐसी प्लेट नहीं लगवानी चाहिए क्योंकि ऐसी नंबर प्लेट सेंट्रल गवर्नमेंट के डेटाबेस में रजिस्टर्ड नहीं होती हैं। इसलिए, इनका कोई लीगल मतलब नहीं है।साथ ही विभाग ने साफ़ किया है कि 31 दिसंबर, 2025 के बाद बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाली गाड़ियों पर पेनल्टी एक्शन लिया जाएगा। इसलिए, लोगों को बिना समय बर्बाद किए ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर HSRP के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन भरना चाहिए, अपॉइंटमेंट लेना चाहिए और अपनी गाड़ी पर यह प्लेट लगवा लेनी चाहिए। ऐसा करने के लिए, www.transport.maharashtra.gov.in वेबसाइट पर लॉग इन करें.

छोटा राजन समेत 8 लोगों की अपील पर सुनवाई करेगा बॉम्बे हाई कोर्ट

मुंबई. बॉम्बे हाई कोर्ट 3 जनवरी 2026 से गैंगस्टर छोटा राजन और आठ अन्य लोगों की अपील पर सुनवाई शुरू करेगा, जिसमें 2011 में सीनियर पत्रकार ज्योतिर्मय डे की हत्या के मामले में उन्हें दोषी ठहराए जाने को चुनौती दी गई है। मामले की आखिरी सुनवाई जनवरी 2026 में तय जस्टिस भारती डांगरे और श्याम चांडक की बेंच ने कुछ आरोपियों की ज़मानत याचिकाओं की सुनवाई के दौरान एससी के आदेश को देखते हुए मामले की आखिरी सुनवाई जनवरी 2026 में तय की है।

कोर्ट ने कहा कि मामला आखिरी सुनवाई के लिए तैयार है और निर्देश दिया कि अपीलों को क्रिसमस की छुट्टियों के बाद लिस्ट किया जाए। कोर्ट को बताया गया कि एक को छोड़कर सभी आरोपी अभी जेल में हैं, जिसे पहले बरी कर दिया गया था। नौ दोषियों ने

2018 की उम्रकैद की सज़ा को चुनौती दी कुल नौ दोषियों ने स्पेशल मकोका कोर्ट द्वारा 2018 में उन्हें दोषी ठहराए जाने के खिलाफ अपील दायर की है, जिसने राजन और अन्य को उम्रकैद की सज़ा सुनाई थी।

सुनवाई के दौरान, हाई कोर्ट ने यह भी दर्ज किया कि चार दोषियों ने पहले ज़मानत मांगी थी, लेकिन अक्टूबर 2024 में उनकी अर्ज़ी खारिज कर दी गई थी। एक और आरोपी ने जुलाई में अपनी ज़मानत अर्ज़ी वापस ले ली थी। तीसरी ज़मानत अर्ज़ी खारिज; हालात में कोई बदलाव नहीं मौजूदा ज़मानत मामले में आवेदक ने माना कि अर्ज़ी पहले दो बार खारिज हो चुकी थी। बेंच ने कहा, "यह तीसरी ज़मानत अर्ज़ी है। हालांकि, हालात में कोई बदलाव नहीं हुआ है, सिवाय इसके कि वह अभी भी जेल में है," और कहा कि इस स्टेज पर ज़मानत पर दोबारा विचार करने का कोई कारण नहीं दिखता।

सामंथा रुथप्रभू ने की डायरेक्टर राज से शादी

■ **कोयम्बटूर के मंदिर में प्राचीन योगिक परंपरा से भूत शुद्धि विवाह किया**

एक्ट्रेस सामंथा रुथप्रभू ने सोमवार को द फैमिली मैन के प्रोड्यूसर-डायरेक्टर राज निदिमोरू से शादी कर ली है। कपल की शादी कोयम्बटूर के ईशा योग सेंटर के लिंग भैरवी मंदिर में प्राचीन योगिक परंपरा से हुई है।

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु और फिल्ममेकर राज निदिमोरू ने सोमवार सुबह कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में शादी की। कपल की शादी परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में हुई। सामंथा की करीबी दोस्त शिल्पा रेड्डी ने इंस्टाग्राम पर शादी की कुछ इनसाइड तस्वीरें शेयर कीं।

शिल्पा ने अपनी पोस्ट में लिखा, "ईशा फाउंडेशन में सैम और राज का खूबसूरत भूत शुद्धि विवाह। मुझे यह सादा और सुंदर कांची कॉटन हैंडवोवन साड़ी पहनकर बहुत अच्छा लगा, जो हरे रंग की है और लाल बॉर्डर के साथ है। इसे मैंने साउथ इंडियन टेंपल ज्वेलरी के साथ पहना।"

शिल्पा की पोस्ट में एक तस्वीर में सामंथा और राज हाथों में हाथ डाले एक-दूसरे की आंखों में प्यार से देखते नजर आ रहे हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में शिल्पा सामंथा के बगल में बैठी हैं, जबकि

सामंथा मुस्कुराते हुए उनका हाथ थामे हुए हैं। राज उनके पास बैठे हैं और कपल ने वरमाला पहनी है। सामंथा-राज ने सद्गुरु के ईशा फाउंडेशन के लिंगा भैरवी मंदिर में प्राचीन योगिक परंपरा से भूत शुद्धि विवाह किया है। यह एक खास प्रक्रिया है, जिसमें शादी करने वाले दोनों लोगों के बीच ऐसा गहरा रिश्ता बनाया जाता है जो सिर्फ सोच, भावनाओं या शरीर तक सीमित न होकर शरीर के पांचों तत्वों के स्तर पर जुड़ता है। लिंग भैरवी मंदिरों या कुछ चुनिंदा जगहों पर किया जाने वाला यह विवाह, दंपत्ति के भीतर मौजूद पांच तत्वों को शुद्ध करता है और उनके रिश्ते में शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक संतुलन पैदा करता है, जिसमें देवी की कृपा होती है।

शादी के लिए 21 की उम्र तक रुकने को कहा

19 साल के लड़के ने कर लिया सुसाइड

कल्याण. डोंबिवली से हाल ही में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक लड़के ने कथित तौर पर इसीलिए अपनी जान दे दी क्योंकि वह एक लड़की से शादी करना चाहता था, लेकिन घरवालों ने उससे 21 साल की उम्र तक इंतजार करने को कहा था। लड़के की उम्र 19 साल थी। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि लड़के ने परेशान होकर खुद की जान ले ली। पुलिस ने बताया कि घटना 30 नवंबर को डोंबिवली इलाके में हुई। जानकारी के मुताबिक

युवक झारखंड का रहने वाला था। वह पास की एक लड़की से प्यार करता था और उससे शादी करना चाहता था। मानपाड़ा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि उसके परिवार ने उससे शादी के लिए कानूनी तौर पर तय उम्र 21 साल होने तक इंतज़ार करने को कहा था, जिससे वह बेहद परेशान था।

पुलिस ने बताया कि 30 नवंबर को युवक ने उसने कथित तौर पर अपने घर की छत से दुपट्टे का इस्तेमाल करके फांसी लगा ली। परिवार आनन फानन में उसे पास के एक अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने एक्सीडेंटल मौत का मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

जज से जुड़े 15 लाख रुपए के रिश्वत मामले में

ACB ने कार्रवाई करने की इजाज़त मांगी

मुंबई. एंटी-करप्शन ब्यूरो के एक सीनियर अधिकारी ने कन्फर्म किया कि एजेंसी ने पिछले हफ़्ते बॉम्बे हाई कोर्ट को एक कम्युनिकेशन भेजा था, जिसमें एडिशनल सेशंस जज एजाजुद्दीन काज़ी से जुड़े 15 लाख रुपए के रिश्वत मामले में कार्रवाई करने की इजाज़त मांगी गई थी। एंटी-करप्शन ब्यूरो के जांच शुरू करने के बाद से ज्यूडिशियल ऑफिसर "गायब" हैं। स्टेनोग्राफर रंगे हाथ पकड़ा गया जज के साथ, स्टेनोग्राफर चंद्रकांत वासुदेव पर भी इस मामले में केस दर्ज किया गया है। पिछले महीने, एंटी-करप्शन ब्यूरो ने वासुदेव को रंगे हाथ गिरफ्तार किया था, जब वह कथित तौर पर एक शिकायतकर्ता से फेवरेबल ऑर्डर के बदले पैसे ले रहे थे। बाद में अधिकारी जज काज़ी के घर गए, जो बंद मिला।

48 घंटे की भूख हड़ताल

मुंबई. रेलवे रनिंग स्टाफ की लंबे समय से उठाई जा रही मांगों को लेकर मंगलवार को एक बार फिर विरोध की आवाज़ तेज हो गई. ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन ने 2 दिसंबर से देशभर में 48 घंटे की भूख हड़ताल की शुरुआत की है.

CHANGE OF NAME

I Declare My Old Name from **SIDDIQUI MOHAMMED SALIM HABIB AHMED** to now My New Name is **SALIM HABIB SIDDIKI.** So all the public now call me **SALIM HABIB SIDDIKI.**

(Add: Shahad Fatak, Shivaji Road, M.T. Company, Prem Kirana Store Opp, Ulhasnagar-421001. Dist Thane).

نوجیون کو آپریٹو بینک لمیٹیڈ

THE NAVJEEVAN CO.OP. BANK LTD. ESTD : 1985

NAV JEEVAN CO-OP. BANK

Head Office: Bhawani Saw Mills Compound, Ulhasnagar-3.

☎: 0251-2572101:2568541/Fax 2567523

Visit us at: www.navjeevanbank.com

SERVICES AVAILABLE

Features and Services of Bank

- Different types of Deposits Schemes with Attractrive Deposits Rates.
- All types of Loans & Advances facilities with Competitive Rate.
- 24x7 NEFT/RTGS Services.
- Safe and Secure Mobile Banking Service with NEFT and RTGS Services.
- Franking Service in Ulhasnagar and Thane.
- Insurance Service through corporate Partners

Upcoming Service

Blocking & Unblocking ATM cards through SMS.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099